वार्तालाप-599, लखनऊ (उ.प्र.), दिनांक 09.07.08
Disc.CD No.599, dated 09.07.08 at Lucknow (A.P.)
Extracts-Part-1

समयः 05.38-08.25

जिज्ञासुः बाबा, 15 फरवरी 1967 के प्रातः क्लास में एक मुरली चली, उसमें आया है कि बाप वर्ल्ड आलमाइटी अथारिटी है ना। उनके द्वारा बल मिलता है। उनके द्वारा बल मिलता है। ये किसने बोला? ब्रह्मा के तन से किसने बोला? सुप्रीम सोल ने बोला। सुप्रीम सोल ने बोला होता तो मेरे द्वारा बल मिलता है ऐसा क्यों नहीं बोला? उनके द्वारा बल मिलता है।

बाबाः 'द्वारा', 'मीडिया' कहा जाता है। वो साकार होता है या निराकार होता है? उनके द्वारा बल मिलता है। तो ये कहने वाला तो निराकार है और 'उनके' माना कोई दूर है। ब्रह्मा के तन के नज़दीक नहीं बैठा है। इसलिए बोला - उनके। और जो मीडिया है वो अथारिटी है, वर्ल्ड आलमाईटी अथारिटी। जब प्रत्यक्ष होगा तो वर्ल्ड आलमाइटी अथारिटी बन करके प्रत्यक्ष होगा। शिव कोई वर्ल्ड आलमाईटी अथारिटी बन करके नहीं आता। वो तो आकर क्या कहते हैं? बच्चे आई एम यॉर मोस्ट ओबीडियंट सर्वेंट।

Time: 05.38-08.25

Student: Baba, a murli was narrated in the morning class of 15th February, 1967. It is mentioned in it that the Father is the world almighty authority, isn't He? We get power through that one. 'We get strength through that one', who said this? Who said this through the body of Brahma? The Supreme Soul said this. Had the Supreme Soul said this, then why didn't He say that the power is received through Me? [Why did He say that] the power is received through that one?

Baba: It is said 'through', [meaning] 'a *media* (mediator)'. Is he corporeal or incorporeal? We get power **through** that one. So, the one who spoke this is the incorporeal One and 'that one' means it is someone far away. He is not sitting near the body of Brahma. This is why it was said 'that one'. And the *media* is the *authority*; the *world almighty authority*. When he is revealed, he will be revealed in the form of *world almighty authority*. Shiva does not come in the form of a *world almighty authority*. What does He come and say? 'Children, *I am your most obedient servant*'.

समयः 09.35-11.00

जिज्ञासुः बाबा, अर्जुन को महाबाहु क्यों कहा गया?

बाबाः जिसकी भुजाओं में बहुत बल होता है उसको कहते हैं महाबाहु। बाहु माने भुजाएं। तो अर्जुन की भुजाओं में तो बल था ना। जो भगवान होता है उसके लिए कहते हैं कि भगवान की भुजाएं बहुत लंबी होती हैं, और अर्जुन के रथ में तो भगवान प्रत्यक्ष होता है। तो लंबी भुजाओं वाला ही होगा ना या छोटी भुजाओं वाला होगा? भुजा माने क्या? भुजा माने मददगार। जैसे कहते हैं मेरा भैया ने शरीर छोड़ दिया। मेरी दाईं भुजा कट गई। तो क्या कोई भुजा कट गई? सहयोगी मददगार था। उसने शरीर छोड़ दिया। तो भुजा को मददगार की निशानी दी गई है।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Time: 09.35-11.00
Student: Baba, why was Arjun called Mahaabaahu?
Baba: The one whose arms are very strong is called Mahaabaahu. *Baahu* means arms. So, the arms of Arjun were strong, were they not? It is said for God that God's arms are very long. And God is revealed in the chariot of Arjun. So, He will have long arms won't he? Or will he have short arms? What is meant by arms? Arms means helpers. For example people say: 'My brother left his body, my right arm has been cut off'. So, was his arm actually cut off? He was a helper. He left his body. So, the arm indicates a helper.

समयः 11.04-13.35
जिज्ञासुः बाबा, जैसे नारद को दिखाते हैं कि विश्व मोहिनी के लिए उसने रूप मांगा, वहाँ शंकर के दो गण उस पर हँसे, तो नारद ने उनको श्राप दिया।
बाबाः शंकर के गणों ने श्राप दिया? (जिज्ञासुः नारद ने श्राप दिया।) अरे टीवी देखा करो तो ध्यान से देखा करो। फिर ध्यान से पूछा करो।

Time: 11.04-13.35
Student: Baba, just as it is shown for Narad that he went [to Vishnu] to ask for a [beautiful] face in order to marry Vishwa Mohini (a princess). There, two of Shankar*ji*'s servants (*gan*) laughed at him. So, Narad cursed them.
Baba: The servants of Shankar give a curse? (Student: Narad cursed them.) *Arey*, when you watch TV, watch carefully and then ask questions carefully.

नारद कोई दूसरा नहीं है। हम, तुम, सब क्या हैं? (सभी ने कहा: नारद।) नार माने ज्ञान जल। द माने देने वाले। क्या? दूसरों को ज्ञान जल देने में लगे रहते हैं। अपनी ओर झांक के नहीं देखते कि हमने उस ज्ञान को पूरा धारण किया है या नहीं किया है? नहीं तो बाबा को यह कहने की क्या दरकार कि तुम बच्चे तो हो तमोप्रधान आत्मा? तमोप्रधान आत्मा सेवा नहीं कर सकती। बन्दर बुद्धि हैं या मन्दिर लायक हैं? (किसीने कहा-बन्दर बुद्धि।) बन्दर बुद्धि क्या सेवा करेगा? इसलिए बच्चों में बापदादा प्रवेश करके सेवा करते हैं। तो सब नारद ही हैं। उन नारदों को शीशा अर्थात् आईना सामने रखा जाता है। ये ज्ञान दर्पण है। जो आगे आने वाले समय में आईना सामने रखा जाएगा। जिसके लिए पहले ही इशारा दे दिया है – अंदरवाले रह जावेंगे, और बाहरवाले ले जावेंगे। तब तो आईना काम में आवेगा। अरे हमने ये क्या किया? हमारी शक्ल तो बन्दर की है। चले महारानी को वरने के लिए। ये कैसे संभव होगा?

Narad is not someone else. What are we, you and everyone? (Everyone said: Narad.) *Naar* means the water of knowledge. *Da* means giver. What? Those who remain busy in giving the water of knowledge to others. They do not peep into themselves, that whether they have imbibed that knowledge completely or not. Otherwise, where is the need for Baba to say 'you children are *tamopradhan* souls'? A *tamopradhan* soul cannot do service. Do we have a monkey like intellect (*bandar buddhi*) or are we worthy of being worshipped in temples (*mandir laayak*)? What kind of service will a person with a monkey like intellect do? This is why Bap Dada enter the children and do service. So, everyone is nothing but Narad. A mirror

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

(*sheesha* or *aaina*) is placed in front of those Narads. This is the mirror of knowledge. This mirror will be placed in front of you in future for that a hint has already been given: the insiders will be left behind and the outsiders will take away [the inheritance]. Then the mirror will prove useful. [You will say:] *Arey*, what did I do? My face is like a monkey. I have set out to marry a queen. How can this be possible?

समय: 13.43-14.55

जिज्ञासु: बाबा, शास्त्रों में एक कहानी है – मौर (मुरा) नाम का राक्षस था जिसने 16000 कन्याओं को कैद किया था।... बेहद में क्या है इसका अर्थ?... श्री कृष्ण उसको मारता है।

बाबा: अलग-2 कथा-कहानियां एक तरीके से नहीं, अनेक तरीकों से बोल दी हैं। कहते हैं कि जरासिन्धी की जेल में राजाओं को बन्द कर दिया था। कही 16000 को बन्द किया हुआ दिखाया गया है। अभी प्रैक्टिकल में नहीं दिखाई पड़ता है? कहाँ बन्धन में बन्धे पड़े हैं? कोई स्वतंत्र हैं? आज ही तो मुरली में बोला तुम सब बान्धेले-बान्धेलियाँ हो। अगर बान्धेले-बान्धेलियाँ नहीं हैं, तो 24 घण्टे ईश्वरीय सेवा में उछल मारते रहें। कही न कही बन्धन में लगा पड़ा है ना इसलिए उछाल नहीं खाते हैं।

Time: 13.43-14.55

Student: Baba, there is a story mentioned in the scriptures: There was a demon named Maur (Mura), who had imprisoned 16000 virgins. … What is its unlimited meaning? … Shri Krishna kills him.

Baba: Different stories have been narrated in not just one way but in many ways. It is said that kings were imprisoned in the *jail* of Jarasindhi[1]. Somewhere they have shown that 16000 [virgins] were imprisoned. Don't you see this in practice now? Where are they bound in bondage? Is anyone independent? Today itself it was said in the murli: All of you are *baandhele*, *baandheliyaa*[2]. If we are not *baandhele, baandheliyaa*, we should jump in service for 24 hours. We are bound in bondage somewhere or the other that is why we don't jump in service.

समय: 14.56-16.05

जिज्ञासु: बाबा, शंकरजी के गले में साँप क्यों दिखाया है?

बाबा: कहते हैं गले पड़ गया। गले पड़ गया माना पल्ले पड़ गया। और जो गले पड़ गया है... गले पड़ते हैं ना। तो प्यार है तब तो गले पड़ गया। और जिसको प्यार है उसको झटकार के अलग कैसे कर दिया जाये? और भगवान के तो सारी दुनियां गले ही पड़ जाती है। तो भगवान से तो सभी को प्यार है। सब जानते हैं कि दुनियां तो झूठी है, आखिरीन भगवान से ही हमारा निस्तार होना है। तो हम, तुम, सब क्या हैं? भगवान के गले के साँप हैं।

---

[1] A villainous king in the epic Mahabharata.
[2] Males and females in bondage.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Time: 14.56-16.05
Student: Baba, why is a snake shown around the neck of Shankar*ji*?
Baba: It is said, *gale pad gayaa*[3]. *Gale pad gayaa* means someone came into your keeping. And the one who was forced upon you … Someone forces himself upon you, doesn't he? He has love for you, only then did he force himself upon you. And the one who loves you, how can you shake him off? And God is indeed obliged to accept the entire world. Everyone loves God. Everyone knows: The world is false. Ultimately, we are going to receive salvation only from God. So, what are we, you, all of us? We are snakes around the neck of God. … (to be continued.)

Extracts-Part-2

समयः 16.15-19.25

जिज्ञासुः बाबा, मुरली में बाबा लक्ष्य देते हैं कि नर से नारायण, नारी से लक्ष्मी बनना है। लेकिन आज की मुरली में एक नई बात आई कि सम्पूर्ण मम्मा-बाबा बनना भी एक ऐम-आब्जेक्ट है।

Time: 16.15-19.25
Student: Baba sets a goal [for us] in the murlis; we have to change from a man to Narayan and from a woman to Lakshmi. But in today's murli a new point was mentioned that becoming complete Mamma and Baba is also an aim and objective.

बाबाः हाँ, जी।
जिज्ञासुः तो बाबा, इसका क्या भाव है?
बाबाः बता तो दिया कि फरिश्ता यही इस संगमयुग का ऐम आब्जेक्ट है। देवताओं से भी ऊँचे कौन होते हैं? देवता ऊँचे ये ब्राह्मण ऊँचे? (कईयों ने कहा – ब्राह्मण।) और ब्राह्मण ही फरिश्ता बनते हैं। ब्राह्मण नहीं बना होगा, पवित्र नहीं बना होगा, ब्रह्मा की औलाद नहीं बना होगा तो वो फरिश्ता नहीं बन सकता। और फरिश्ताओं को सारी दुनिया मानती है। देवताओं को तो सिर्फ हिन्दू लोग मानते हैं। आदि सनातन देवी देवता धर्म के लोग मानते हैं। लेकिन फरिश्ताओं को? हिन्दू, मुसलमान, सिक्ख, ईसाई, पारसी सब मानते हैं। तो ये फरिश्ते कौनसी दुनिया में थे? सतयुग में थे या संगमयुग में थे? संगमयुग में थे। संगमयुग में हर धर्म की आत्माएं भी मौजूद रहती हैं।

Baba: Yes.
Student: So Baba, what is its meaning?
Baba: You have already been told that [becoming] a *farishta* (angel) is the very aim and objective of this Confluence Age. Who are higher than even the deities? Are the deities higher or are the Brahmins higher? (Many said: Brahmins.) And it is the Brahmins who become angels. If someone has not become a Brahmin, if he has not become pure, if he has

[3] Someone was forced to accept something.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

not become Brahma's child, then he cannot become an angel. And the entire world believes in angels. Only the Hindus believe in deities. People belonging to the *Adi Sanatan Devi Devata Dharma* (Ancient Deity Religion) believe [in deities]. But what about the angels? Everyone including the Hindus, Muslims, Sikhs, Christians, Parsis believe [in angels]. So, in which world were these angels? Were they in the Golden Age or in the Confluence Age? They were in the Confluence Age. Souls of all the religions are also present in the Confluence Age.

दूसरा जिज्ञासुः बाबा फरिश्ताओं का तो कोई शरीर नहीं होता है।
बाबाः देह, हड्डी मांस? हड्डी मांस में बुद्धि होती है कि मनन-चिंतन-मंथन में बुद्धि रहती है? (जिज्ञासु – मनन-चिंतन में।) मनन-चिंतन-मंथन में, प्रकाश में बुद्धि रहती है। तो प्रकाश का उनका शरीर होता है। उसको कहते हैं ज्ञान प्रकाश। लक्ष्मी-नारायण के चित्र में राधा कृष्ण को ज्ञान प्रकाश के अन्दर दिखाया गया है नीचे या ऊपर लक्ष्मी-नारायण को ज्ञान प्रकाश की दुनिया में दिखाया है? (जिज्ञासु – लक्ष्मी-नारायण को।) वो लक्ष्मी-नारायण फरिश्ता हैं वास्तव में या देवता हैं? फरिश्ता हैं। नर से नारायण कहे जाते हैं। शरीर तो इस दुनिया में सड़ते जावेंगे। और आत्मा? पावरफुल बनती जावेगी। और देवताओं का शरीर सड़ा हुआ होता है क्या? नहीं।

Another student: Baba, angels do not have bodies.
Baba: Body, bones, muscles? Do bones and muscles have intellect or does thinking and churning involve the intellect? (Student: Thinking and churning.) Thinking and churning [i.e.] light involves the intellect. So, they have a body of light. It is called the light of knowledge. In the picture of Lakshmi-Narayan, have Radha and Krishna below been shown in the light of knowledge or have Lakshmi and Narayan above been shown in the world of light of knowledge? (Student: Lakshmi-Narayan.) Are those Lakshmi and Narayan actually angels or deities? They are angels. They are said to have transformed from a man to Narayan. The bodies in this world will go on rotting. And what about the soul? It will go on becoming *powerful*. And are the bodies of deities rotten? No.

समयः 23.20-25.10
जिज्ञासुः बाबा, ऐसे तो द्वापरयुग में बताया कि भक्तिमार्ग में कि श्रीकृष्ण की 16108 रानियाँ थीं। फिर उनके गर्भ से दस-दस लड़का, एक-एक लड़की पैदा हुए। यानी कि 1,75,188. इसका बेहद में क्या अर्थ है बाबा ?
बाबाः सारी दुनिया की आबादी पहले जन्म में कितनी होती है? 9 लाख। 9 लाख अंत में होती है, पहले जन्म के अन्त में होती है या शुरुआत में? (जिज्ञासु – पहले जन्म के अन्त में।) पहले जन्म के अन्त में 9 लाख आबादी । तो पहले जन्म के शुरुआत में कितने लाख रहे होंगे? दुनिया में धर्म कितने-कितने हैं मुख्य-मुख्य जो भगवान से स्वर्ग की प्राप्ति करते हैं? 9 धर्म। तो 9 धर्मों में एक-एक लाख बांट दो। श्रेष्ठ धर्म कौनसा है जो श्रेष्ठ ते श्रेष्ठ है? सूर्यवंश। तो सतयुग के पहले जन्म में कितनी आबादी रही होगी? एक लाख। जब रुद्र यज्ञ रचते हैं तो कम से कम कितने शालिग्राम बनाते हैं? एक लाख। वो 1 लाख सूर्यवंशी आत्माएं

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

है। किसके बच्चे हैं? उन्होंने तो नाम दे दिया भगवान कृष्ण के। नाम किसका दे दिया? अब कृष्ण भगवान है या निराकार शिव भगवान है? (कईयों ने कहा – निराकार शिव भगवान है।) निराकार शिव भगवान के बच्चे हैं जो निराकारी स्टेज धारण करते हैं। समझ में आया?

Time: 23.20-25.10
Student: Baba, it has been mentioned in the path of *bhakti* in the Copper Age that Shri Krishna had 16108 queens. Then, ten sons and one daughter each were born from their womb, i.e. 1, 75,188. What is its unlimited meaning?
Baba: What is the population of the entire world in the first birth? Nine lakh. Is it nine lakh in the end, in the end of the first birth or in the beginning? (Student: In the end of the first birth.) There will be nine lakh population in the end of the first birth. So, how many lakhs would have been there in the beginning of the first birth? How many main religions of the world obtain the attainment of heaven from God? Nine religions. So, distribute one lakh each among the nine religions. Which religion is the most righteous one? Suryanash. So, what would be the population in the first birth of the Golden Age? One lakh. When the *Rudra Yagya* is organized, what is the minimum number of *shaligrams*[4] that is prepared? One lakh. Those one lakh [*shaligrams*] are the Suryavanshi souls. Whose children are they? They have named them as [the children] of God Krishna. Whose name did they mention? Well, is Krishna God or is the incorporeal Shiva God? They are the children of the incorporeal God Shiva, who takes on the incorporeal *stage*. Did you understand?

समयः 25.15-26.45
जिज्ञासुः बाबा, वाम मार्ग अच्छा नहीं माना जाता है। अच्छा होता है या नहीं?
बाबाः आप अच्छा मानते हैं क्या?
जिज्ञासुः नहीं, लेकिन जब रास्ता चलते हैं तो वाम मार्ग में ही जाते हैं। जब रास्ता चलते हैं तो बायें मार्ग से ही चलते हैं।
बाबाः बाएं मार्ग से चलते हैं तो दुनिया कौनसी है? वाम मार्ग में जाने वालों की दुनिया है या दायें मार्ग में जाने वालों की दुनिया है? (जिज्ञासु – वाम मार्ग।) अरे दुनिया उल्टी खोपड़ी वालों की है या सीधी खोपड़ी वालों की है? (कईयों ने कहा-उल्टी खोपड़ी वालों की है।) उल्टी खोपड़ी वाले उल्टे ही रास्ते पे चलेंगे ना। नियम कानून भी ऐसे ही बनाएंगे। बाईं ओर चलो। आज हिन्दुस्तान की गवर्मेन्ट विदेशियों की तरफ ढुली हुई है या भारतीय धर्म की ओर अनुसरण कर रही है? (कईयों ने कहा-विदेशी।) तो वाममार्गी गवर्मेन्ट हो गई ना। जब गवर्मेन्ट ही, राजा ही वाममार्गी हो गया तो यथा राजा तथा प्रजा सब वाममार्गी हो गए। सब बाईं ओर चल रहे हैं। अब कल से आप क्या करेंगे? (किसीने कहा-साउदी अरेबिया में दाईं तरफ चलते है।) हाँ, जी। (किसीने कुछ कहा।) टक्कर हो जाएगी।

Time: 25.15-26.45
Student: Baba, the left path (*vaam maarg*) is not considered to be good. Is it actually good or not?
Baba: Do you consider it to be good?

[4] Small, round stones considered sacred in the path of *bhakti*.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Student: No, but when people walk on the road, they walk on the left side.
Baba: If they walk on the left side, then what kind of a world is it? Is it a world of the people who follow the left path or is it a world of those who follow the right path? (Student: The left path.) *Arey*, does the world consist of wrong-headed people (*ulti khopri*) or 'right-headed' people? (Many said: It consists of wrong-headed people.) The wrong-headed people will follow the wrong path itself, will they not? They will frame rules and regulations which are also like that. Walk on the left side. Today is the Indian government inclined towards the foreigners or is it following the Indian religion? (Many said: [It is inclined towards] the foreigners.) So, the government is the one which follows the left path, isn't it? When the government, when the king himself became the one that follows the left path, then as the king so are all the subjects, i.e. the ones who follow the left path. Everyone is walking on the left side. Now, what will you do from tomorrow? ☺ (Someone said: In Saudi Arabia they walk on the right side.) Yes. (Someone said something.) You will collide with someone. ☺

समयः 26.51-30.22

जिज्ञासु: एक कैसेट में आया था अभी, तीन मूर्तियों के बारे में आया था कि जो मुकर्रर रथ है, जिसने बीजारोपण किया बड़ी मम्मी के बुद्धि में ज्ञान का। तो उनको प्रजापिता ब्रह्मा का टाइटल दिया ।

बाबा: ज्ञान का बीजारोपण भी दो प्रकार से होता है। एक होता है वाचा से। क्या? एक कर्म होता है वाचा का और दूसरा कर्म होता है प्रैक्टिकल धारणा का। प्रैक्टिकल जीवन में धारणा ज्ञान की वो सच्चा ज्ञान का बीजारोपण है या सिर्फ बोल-बोल करना, मुख से सुनना, कानों से सुनना और दूसरों को मुख से सुनाना, लंबी जीभ वाली महाकाली बन जाना, सारी दुनिया में कोई ताकत नहीं है जो उसको वाचा में हराय सके - ऐसा बनना अच्छा है? तो दो माताएं थीं।

जिज्ञासु: नहीं बाबा, हम ये पूछना चाह रहे हैं...

बाबा: वो ही, उसी का जवाब दे रहे हैं। तो ज्ञान का असली बीजारोपण किसमें हुआ? वैष्णवी शक्ति में हुआ या वाचा वाली में हुआ? वैष्णवी शक्ति में असली ज्ञान का बीजारोपण हुआ था। और जिसमें असली बीजारोपण हुआ होगा उसी से कृष्ण का जन्म होगा। कि जगदम्बा से होगा?

Time: 26.51-30.22
Student: It was mentioned in a cassette recently, it was mentioned about the three personalities that the permanent chariot had sowed the seed of knowledge in the senior mother. So, he was given the title of Prajapita Brahma.
Baba: The sowing of the seed of knowledge also takes place in two ways. One is through words. What? One action is speech and the other action is of assimilating [knowledge] in practice. Does the true sowing of the seed of knowledge mean imbibing the knowledge in the life in practice or [does the true sowing of the seed of knowledge mean] just to speak through the mouth, to listen through the ears and to narrate to others through the mouth, to become Mahakali with a long tongue [that] there is no power in the world that can defeat her in words. Is it good to become this? So, there were two mothers.
Student: No Baba, I mean to ask…

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Baba: I am giving a reply to the same. So, in whom was the true seed of knowledge sown? Was it in Vaishnavi *shakti* or in the one with [the power of] words? The true sowing of the seed of knowledge took place in Vaishnavi *shakti*. And the birth of Krishna will take place only through the one in whom the true sowing of the seed would have taken place. Or will he be born through Jagdamba?

जिज्ञासुः बाबा, उस कैसेट में जगदम्बा को शंकर के रुप में बताया। जो तीन मूर्तियाँ हैं ब्रह्मा, विष्णु, शंकर, ब्रह्मा के लिए बताया है मुकर्रर रथ जो हुआ प्रजापिता, जिसने ज्ञान का बीजारोपण किया। वो प्रजापिता ब्रह्मा, वो ब्रह्मा की मूर्ति हो गई।
बाबाः ब्रह्मा की मूर्ति कौनसी? दाढ़ी-मूँछ वाला?
जिज्ञासुः प्रजापिता। ऐसा कैसट में बताया। वैसे शुरु में तो यही मानते थे कि ब्रह्मा की जगह ब्रह्मा मानते और शंकर का पार्ट मानते मुकर्रर रथ का और वैष्णवी इस तरह से मानते थे। लेकिन अभी बाद की एक कैसेट में मूर्तियों का चेंज हुआ। उसके संबंध में पूछना था।
बाबाः क्या चेंज हुआ?
जिज्ञासुः ब्रह्मा, प्रजापिता मुकर्रर रथ जो है, सेवकराम उसको प्रजापिता ब्रह्मा बताया। और शंकर बताया जगदम्बा को।
बाबाः शंकर जगदम्बा बताया नहीं। ये कहा त्रिमूर्ति में शंकर की जगह बड़ी मम्मा को रखा होता, मम्मा को अगर रखा होता तो समझाने में सहज हो जाता। त्रिमूर्ति में रखा नहीं है। बताया कि अगर जगदम्बा को रखा होता शंकर की जगह, महाकाली को रखा होता तो विनाश करने का काम, असुर संहारणी महाकाली का है या देवता का है? महाकाली का है। तो समझाने में सहज होगा या कठिन होगा? (किसीने कहा – सहज।) क्योंकि जिसका प्रैक्टिकल काम है वो ही बैठा हुआ है।

Student: Baba, Jagdamba was said to be the form of Shankar in that cassette. Among the three personalities, [i.e.] Brahma, Vishnu and Shankar, it has been said for Brahma that he is the permanent chariot, [i.e.] Prajapita, the one who sowed the seed of knowledge. That Prajapita Brahma is the personality of Brahma.
Baba: Which personality of Brahma? The one with beard and moustache?
Student: Prajapita. It has been said so in that cassette. In the beginning we believed that [Dada Lekhraj] Brahma was in the place of Brahma, Shankar's part was played by the permanent chariot and [Vishnu's part was played by] Vaishnavi. But now in a cassette that came later there was some change regarding the personalities. I wanted to ask about it.
Baba: What has been changed?
Student: Brahma, the permanent chariot Prajapita, Sevakram was mentioned as Prajapita Brahma. And Jagdamba was mentioned as Shankar.
Baba: Jagdamba was not mentioned as Shankar. It was said that in Trimurty, if the senior mother was placed in place of Shankar, if Mamma was placed [in place of Shankar], then it would have been easier to explain. She has not been placed in Trimurty [in place of Shankar]. It was just mentioned that if Jagdamba was placed in place of Shankar, if Mahakali was placed; then, does the slayer of demons Mahakali perform the task of destruction or does a deity perform this task? It is the task of Mahakali. Then, will it be easy or difficult to explain?

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

(Someone said: Easy.) It is because the one whose task it is in practice, she herself is sitting [there].

दूसरा जिज्ञासु: विनाशकारी शंकर को बताया गया है...।
बाबा: प्रेरणा देने वाला कौन है?
दूसरा जिज्ञासु: प्रजापिता।
बाबा: हाँ।

Another student: Shankar has been said to be destructive….
Baba: Who gives inspiration?
Another student: Prajapita.
Baba: Yes. … (to be continued.)

Extracts-Part-3

समय: 30.37-33.00
जिज्ञासु: एक भाई ने पूछा था कि ब्रह्म के अस्तित्व की आवश्यकता क्यों पड़ती है?
बाबा: ब्रह्म माने क्या? ब्र माने क्या? अरे? नाम बोलते हैं तो काम सिद्ध हो जाता है ना। नाम किस आधार पर पड़ता है? काम के आधार पर नाम पड़ता है। तो ब्रह्म माने क्या? बड़ा। बड़े ते बड़ा कौन? अरे? अरे नाम किस आधार पर पड़ता है? (जिज्ञासु – काम के आधार पे।) तो ब्रह्म माने क्या किया होगा? बड़ा काम किया होगा। किसने बड़े ते बड़ा काम किया? जो लोग कहते हैं, इतना महत्व देते हैं, मंत्र बनाय लिया है – अहम् ब्रह्मास्मि। तो जरूर बड़े काम का बीजारोपण ब्रह्मा से होता है। ब्रह्म लोक। कैसा लोक? जिस लोक की अगर स्थिति बनाय ली जाए तो दुनिया के सारे काम आटोमेटिक होते रहेंगे। कोई काम हमें अपने आप नहीं करना पड़ेगा। माना जिनकी बीजरूप स्टेज बन जाएगी, उनको कोई काम करने के लिए प्रयास करने की अनुभूती नहीं होगी। सारा काम जैसे बापदादा स्वतः ही करेंगे। तो कहाँ की स्टेज हुई? ब्रह्मलोक की स्टेज हुई या सूक्ष्मवतन की स्टेज हुई या साकारी दुनिया की स्टेज हुई? ब्रह्म लोक की स्टेज हो गई निराकारी स्टेज। निराकारी, निर्विकारी, निरहंकारी।

Time: 30.37-33.00
Student: A brother had asked: Why is there a need for the existence of *Brahm*?
Baba: What is meant by *Brahm*? What is meant by *Bra*? *Arey*? The name itself proves the task performed. On what basis is the name given? The name is given on the basis of task. So, what is meant by *Brahm*? Senior. Who is the senior most? *Arey*? On what basis is the name given? (Student: On the basis of the task.) So, *Brahm* means, what task will he have performed? He must have performed a big task. Who performed the biggest task? People say; they give so much importance, they have made a mantra – *Aham Brahmaasmi* (I am Brahma). So, definitely the sowing of the seed (commencement) of the big task is done by Brahma. [It is said:] *Brahm lok* (abode of Brahma). What kind of an abode? If you develop the stage of that abode, then all the tasks of the world will keep taking place automatically. We will not have to perform any task on our own. It means that those who develop the seed form stage

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

will not experience any effort to do any task. It is as if Bapdada himself will do all the work. So, it is a *stage* of which place? Is it a *stage* of *Brahmlok*, of the subtle world or is it a *stage* of the corporeal world? It is a *stage* of *Brahmlok*, the incorporeal *stage*. Incorporeal, vice less and egoless.

समयः 33.11-34.43

जिज्ञासुः बाबा, भट्ठी 84 जन्मों का फाउन्डेशन है ऐसे बताते हैं। उसमें कभी-कभी ऐसा देखा कि कोई माता-पिता अपने बच्चों को ले जाते हैं। तो कोई सोता रहता है, कोई उधम करता है, कोई रोता भी है, डिस्टर्ब भी करता है। तो उसका हिसाब क्या बनता होगा ?

बाबाः फाउन्डेशन पड़ रहा है।

जिज्ञासुः तो किसका हिसाब-किताब किसपे बनता होगा? माता-पिता पर या जो ले जाने वाले हैं?

बाबाः माता-पिता के ऊपर भी बनता है। जो लाने वाले हैं उनके ऊपर भी पड़ता है। लाने वाले को ठोंक बजाके लाना चाहिए ना।

जिज्ञासुः नहीं, जैसे माता-पिता के साथ बच्चे भी आ जाते हैं। उनका पता नहीं चलता कि...

बाबाः बच्चों के लिए आने के लिए परमीशन है?

जिज्ञासुः वो बताते हैं, 10-12 साल, 15 साल।

बाबाः परमीशन है?

जिज्ञासुः नहीं है बाबा।

बाबाः फिर?

Time: 33.11-34.43

Student: Baba, *bhatti* is said to be the foundation of 84 births. It is sometimes seen that some parents take their children along. Some of them (the children) keep sleeping, some play mischief, some cry, some also disturb; so, what kind of karmic account will be created?

Baba: A *foundation* is being laid.

Student: So, who creates that karmic account (accumulates burden)? Is it the parents or the ones who take them [for *bhatti*]?

Baba: Parents also create [karmic account] (accumulate burden). Those who bring them also create [karmic account]. The one who brings them should check them properly before bringing, shouldn't they?

Student: No, for example, children also come along with the parents. They don't come to know that…

Baba: Are they permitted to bring children?

Student: They say that 10-12 years, 15 years.

Baba: Are they permitted?

Student: Baba, they aren't.

Baba: Then?

जिज्ञासुः नौ साल के बच्चों से कम वालों का नहीं है।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

बाबाः हाँ, जो समझदार बच्चे हैं, उनको लाना चाहिए या जो कुछ समझते ही नहीं, शैतानी देते रहते हैं, उनको लाना चाहिए? ये लाने वाले के ऊपर सारा पाप जाता है।

जिज्ञासुः जैसे अगर पता ही नहीं हो...

बाबाः पता कैसे नहीं? लाने वाले को मालूम नहीं है कि ये बच्चा शैतान है, इसने ज्ञान को समझा है या नहीं समझा है?

जिज्ञासुः नहीं बाबा, जैसे नहीं मालूम हो (तो)?

बाबाः कैसे नहीं मालूम? जब नियम बना हुआ है।

जिज्ञासुः मात-पिता लेके आ गए...

बाबाः तो जो स्कूल के, संस्था के नियमों के बरखिलाफ चलेगा उसको दण्ड मिलना चाहिए या नहीं?

जिज्ञासुः मिलना चाहिए।

बाबाः इसका मतलब आप ले जाते हैं। ☺

Student: Children below nine years are not permitted.
Baba: Yes, should the children who are intelligent be brought or should those who do not understand anything at all, who keep on playing mischief be brought? The entire sin is accumulated by those who bring.
Student: For example, if someone does not know at all…
Baba: How is it possible that he doesn't know? Doesn't the person who brings people know that this child is mischievous or that whether he has understood the knowledge or not?
Student: No Baba. For example, if someone does not know...
Baba: How is it possible that he doesn't know when there is a rule?
Student: The parents brought them...
Baba: So, should the one who acts against the rules of the school, the institution get punishment or not?
Student: He should.
Baba: It means that you take them (children) along. ☺

समयः 35.26-36.25

जिज्ञासुः बाबा, भठ्ठी में कितने साल तक की उम्र वालों को ले जाना चाहिए? कुछ बूढ़ी-2 मातायें...

बाबाः उम्र से मतलब नहीं होता है। आगे चलके ऐसे बच्चें भी पैदा होंगे जो होंगे कम उम्र के लेकिन बड़े बड़ों को मात देंगे ज्ञान में।

जिज्ञासुः नहीं बाबा, जैसे ज्यादा उम्र की बूढ़ी मातायें हैं वो चलने के लिए बोलती हैं। वहाँ कुछ मातायें हैं...

बाबाः देखना है ले जाने वाले को कि निश्चय बुद्धि है?

जिज्ञासुः हाँ बाबा, निश्चय बुद्धि है। क्लास में एक झुटका नहीं, बैठके मुरली सुनती है, मुरली क्लास करती है।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

बाबा: तो जो निश्चय बुद्धि है उनको ले जाना है।

जिज्ञासु: बूढ़ी माता है, चल-फिर नहीं पाती ज्यादा तो ...

बाबा: चल-फिरने की भली चलाई। 80 साल की बूढ़ीयाँ अमरनाथ की यात्रा पैदल करने जाती हैं।

जिज्ञासु: बाबा, 80 साल की ही थी।

बाबा: ये कोई बात नहीं होती है। हिम्मते बच्चें मददे बाप होता है।

Time: 35.26-36.25
Student: Baba, what is the age limit for the people who are taken for the *bhatti*? Some old mothers…
Baba: Age does not matter. In future such children will also be born who will be of a small age but will outdo the big ones in knowledge.
Student: No Baba, for example, there are old mothers, they say that they will go. There are some mothers there…
Baba: The one who takes them [to the *bhatti*] should check: Is he the one with a faithful intellect?
Student: Yes Baba, she has a faithful intellect. She does not doze even once in the class, she sits and listens to the murli, she does the murli class.
Baba: So, those who have a faithful intellect should be taken [for *bhatti*].
Student: She is an old mother; she is not able to walk much.
Baba: You said well about walking! Old women aged 80 years go walking on journey to Amarnath[5].
Student: Baba, she too is aged 80 years.
Baba: This is not right. If the children show courage, the Father helps them.

समयः 36.30-38.10

जिज्ञासुः बाबा, जहाँ जन्म वहां जीत ये बात सभी के ऊपर लागू होती है क्या? जहाँ जीत वहाँ जन्म।

बाबाः तुमने तो उल्टा बोल दिया।

जिज्ञासुः जहाँ जन्म वहाँ जीत।

बाबाः अरे, पक्की-पक्की बात बोलो।

जिज्ञासुः जहाँ जीत, वहाँ जन्म।

बाबाः हाँ। जिनके कर्मों के ऊपर जीत पाई जाती है... राम-सीता के कर्मों के ऊपर ब्रह्मा सरस्वती वाली आत्माओं ने जीत पा ली। तो उसका अंजाम पहले जन्म में क्या होगा? क्या अंजाम होगा? जो ब्रह्मा सरस्वती, राधा-कृष्ण की आत्माएं हैं, वो बच्चे के रूप में जन्म लेती हैं। और माँ-बाप को उनकी दुनिया बना के देनी पड़ती है। माँ-बाप जैसे दास-दासी हो जाते हैं बच्चों के। सारा जीवन बच्चों के लिए खटते हैं, बच्चों को जन्म देना, बच्चों की पालना

[5] A pilgrimage place located at high mountains in Kashmir.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

करना, बच्चों को पढ़ाना-लिखाना, बच्चों के लिए सारी जिन्दगी की मिल्कियत इकट्ठी करके उनको सौंप जाना, इससे बड़े दास-दासी कोई अच्छे मिलेंगे? (कईयों ने कहा-नहीं।)
जिज्ञासु: बाबा ये बात दुनिया के सारे मनुष्यों पर लागू होती है क्या?
बाबा: नम्बरवार।

Time: 36.30-38.10
Student: Baba, is the topic that someone gains victory where he is born applicable to all? Someone is born at the place where he gained victory.
Baba: You said the opposite thing.
Student: Someone gains victory where he is born.
Baba: *Arey*, confirm it and say.
Student: Someone is born at the place where he gains victory.
Baba: Yes. The person on whose actions someone gains victory; the souls of Brahma and Saraswati gained victory over the actions of Ram and Sita. So, what will be its result in the first birth? What will be the result? The souls of Brahma and Saraswati, Radha and Krishna are born as children. And the parents have to create a world for them. It is as if the parents become the servants of their children. They work hard for the children throughout the life; to give birth to children, to bring them up, to educate them, to accumulate wealth for them throughout the life and then entrusting it to them; will you find any better servants? (Many said: No.)
Student: Baba, is this applicable to all the people of the world?
Baba: [It is] number wise (according to their *purusharth*). … (to be continued.)

Extracts-Part-4

समय: 38.54-41.27
जिज्ञासु: बाबा, जो सर्प की आत्मा होती है वो बताते हैं कि पिछले जन्म में वो नागिन थी लेकिन इस जन्म में वो औरत बन गई है।
बाबा: कौन बताते हैं?
जिज्ञासु: बताते हैं। देखने में आता है।
बाबा: कौन बताते हैं? किनको देखने में आता है? किसने देखा?
जिज्ञासु: वो अपनी बताती है कि हम पिछले जन्म में...
बाबा: अरे कौन बताते हैं? (जिज्ञासु ने कुछ कहा।) जो मनुष्य हैं? (जिज्ञासु- हाँ।) अरे वो मनुष्य हैं कि राक्षस हैं बताने वाले झूठे? तुमने देखा कि वो झूठे बोलने वाले राक्षस हैं या सच्चा बताने वाले देवता हैं? जो आया बस उसकी बात मान लेना? मनुष्य मनुष्य का ही जन्म लेता है। सर्प, बिच्छू, टिण्डन का जन्म नहीं लेता। जो बीज जिस श्रेणी का होगा, वैसा ही पौधा निकलेगा।

Time: 38.54-41.27

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Student: Baba, people say that the soul of a snake; someone was a she-cobra (*nagin*) in the past birth; she became a woman in this birth.
Baba: Who says [this]?
Student: People say. It is observed.
Baba: Who says? Who observes? Who has observed?
Student: That lady says about herself that in her previous birth…
Baba: *Arey*, who says? (Student said something.) Those who are human beings? (Student: Yes.) *Arey*, are those who say this, the false ones human beings or demons? Did you see whether they are demons who lie or deities who speak the truth? Should you believe in whatever someone says? A human being is born only as a human being. He is not born as a snake, scorpion or spider. A seed will germinate into a plant according to its category.

दूसरा जिज्ञासुः लेकिन बाबा वहाँ के लोगों ने जहाँ पे वो हुआ है प्रैक्टिकल में वहाँ के लोगों ने तो बताया है।
बाबाः कहाँ हुआ प्रैक्टिकल में? तुमने कैसे जान लिया कि वहाँ प्रैक्टिकल में हुआ?
दूसरा जिज्ञासुः बाबा, वहाँ पे हम सेवा करने गए थे।
बाबाः कहाँ गए थे तुम सेवा करने?
दूसरा जिज्ञासुः गाँव में बाबा।
बाबाः तो गाँव में तुमने कैसे मान लिया कि वहाँ स्त्री जो है सर्पिणी बन गई?
दूसरा जिज्ञासुः बताते हैं कि जब वो सर्पिणी बन जाती है...
बाबाः जो बताते हैं वो सच्ची बात बताते हैं कि झूठी बात बताते हैं?
दूसरा जिज्ञासुः उसके हाथ में बताते हैं नागिन बन जाती है।
बाबाः वो बताते हैं। ये कोई बात हुई? कोई बताते हैं धरती फट जाती है, उसमें से स्वर्ग निकल आता है तो मान लिया जाए? अंधश्रद्धा की हद हो गई भक्तिमार्ग में। जिसने जो कहा सत् वचन महाराज। बाप आ करके ये अंधश्रद्धा तुड़वाते हैं। और बुद्धिमान बाप के बच्चे बुद्धिमान, बुद्धिमानी का काम करेंगे या बुद्धुओं जैसी बातें करेंगे? बिना प्रूफ और प्रमाण के कोई बात मानने के लिए बाप के बच्चे तैयार नहीं होते। हमारा बाप है बुद्धिमानों की बुद्धि। तो बच्चे भी कैसे होने चाहिए? बुद्धिमान बच्चे होने चाहिए। कोई ने कह दिया – अच्छा भैया तुम्हारी बात सही। हमने मान लिया। तुमने कहा और हमने माना।

Another Student: But Baba, the people of the place where the incident occurred in practice have told.
Baba: Where did it happen in practice? How did you know that it happened there in practice?
Another Student: I had gone there to serve.
Baba: Where did you go to serve?
Another Student: In a village Baba.
Baba: So, in the village how did you believe that a woman there became a she-snake?
Another Student: They say that when she becomes a she-snake…
Baba: Do those who say speak the truth or do they lie?
Another Student: They say that a she-cobra (*nagin*) appears on her hand.
Baba: 'They say this'. Is it meaningful? Some say that the Earth cracks open and heaven emerges from it; so should we believe it? Blind faith (*andhshraddha*) has crossed its limits in

the path of *bhakti*. Whatever someone says, [people respond by saying:] *sat vacan maharaj* (you speak the truth, Sir). The Father comes and removes this blind faith. And will the intelligent children of the intelligent Father act intelligently or will they speak like fools? The Father's children will not be ready to accept anything without proof. Our Father is the intellect of the intelligent ones. So, how should the children also be? The children should be intelligent. Someone said [something] [and they say:] 'OK brother what you said is correct. I accept it. You said and I accepted it'.

समयः 41.29-43.19

जिज्ञासुः बाबा, जैसे बताते हैं कि गंगा का पानी...।

बाबाः फिर बताते हैं।

जिज्ञासुः नहीं, देखा भी है प्रैक्टिकल में।

बाबाः किसने देखा? तुमने देखा?

जिज्ञासुः हाँ बाबा। गंगा का पानी रख लेते हैं घर में तो उसमें कीड़े नहीं पड़ते...

बाबाः आज गंगा के पानी में ही कीड़े पड़े हुए हैं। कानपुर में ढ़ेर सारे कारखानों का कचड़ा उसमें गिरता है और कीड़े ही कीड़े हो जाते हैं गंगा के पानी में।

जिज्ञासुः और बाबा जैसे गोवर्धन रखते हैं ना घर पे। उसमें तो कीड़े नहीं पड़ते हैं ना। वैसे ही रखा होता तो पड़ जाते उसमें।

बाबाः माताओं की तो अंधश्रद्धा की महिमा ही न्यारी है।

दूसरा जिज्ञासुः बाबा, जहाँ उद्गम स्थान है गंगा का उसके नीचे फॉस्फरस की चट्टान है , तो उसमें मिश्रण हो जाता है फॉस्फरस की। उसके बाद उसमें कीड़े पड़ने का सवाल ही नहीं।

Time: 41.29-43.19
Student: Baba, for example, it is said that the water of Ganges…
Baba: Again [you say], 'they say'. ☺
Student: No Baba, it is also seen in practice …
Baba: Who saw it? Did you see it?
Student: Yes, Baba. For example, when you keep the water of Ganges at home, it does not develop germs…
Baba: Today there are germs in the water of the Ganges itself. The dirt of numerous factories is discharged into it and the water of the Ganges becomes full of germs.
Student: And Baba, for example, we keep *goverdhan*[6] at home. It does not develop germs, does it? If it is simply kept, it develops germs.
Baba: The glory of blind faith of the mothers is unique. ☺
Another student: Baba, there is a mountain of phosphorus at the source of the Ganges, so phosphorus is mixed with it. After that there is no question of it developing germs.

बाबाः अरे तो थोड़े समय के लिए कीड़े नहीं पड़ेंगे या सारी गंगा में कीड़े नहीं पड़ेंगे? (दूसरा जिज्ञासु – सारी गंगा में तो पड़ेंगे।) वो तो कहते हैं गंगा का पानी कहीं का भी हो, कहीं से भी गंगा का पानी उठाया जाए उसमें कीड़े नहीं पड़ेंगे। अरे गंगा का कनेक्शन सागर से

[6] An image made of cow-dung during the festival of Deepawali (a festival of lights).

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

डायरेक्ट है तो गंगा नदी देवी है। और सागर से डायरेक्ट कनेक्शन नहीं है तो नाला बन जाती है। नाले में कीड़े पड़ते हैं या नहीं पड़ते हैं? (कईयों ने कहा – पड़ते हैं।) और गीत भी बनाया हुआ है – राम तेरी गंगा मैली। ऐसे ही झूठा गीत हो गया? कलियुग अंत में गंगा हो जाती है मैली। और सतयुग आदि में गंगा हो जाती है शुद्ध साफ।

Baba: *Arey*, so, will it not develop germs for a short period (at a short distance from the source) or will germs not develop in the entire Ganges? (Another student: The entire Ganges will indeed develop [germs].) She says that the water of Ganges at any place, if the water of Ganges is taken from any place, it will not develop germs. *Arey*, if the Ganges is connected to the ocean directly then the river Ganges is a *devi* (female deity). And if there is no *direct connection* with the ocean, it becomes a drain. Does a drain develop germs or not? (Many said: It does.) And a song has also been made: *Ram teri Ganga maili* (Ram! Your Ganges has become dirty) Is it a false song? In the end of the Iron Age the Ganges becomes dirty. And in the beginning of the Golden Age the Ganges becomes pure, clean.

समयः 43.22-46.20

जिज्ञासुः बाबा, जो बोला है कि फालो ब्रह्मा करना है। तो कौनसा ब्रह्मा?

बाबाः कर्मों में ब्रह्मा को फालो करना है। और बात मेरी माननी है। ये मेरी मानने वाला कौन है? और उसका मीडिया कौनसा है? प्रजापिता ब्रह्मा है मीडिया जिसके द्वारा बोला है कि ब्रह्मा को कर्मों में फालो करना है। परन्तु बात मेरी मानना है। माना मेरे को कर्मों में फालो नहीं करना है। मैं जिस मीडिया के द्वारा कर्म करता हूँ, उसका एक मुख्य कर्म विष पीना भी लिखा हुआ है। दिखाया हुआ है, गाया हुआ है। सारे संसार का विष पीने वाला है।

Time: 43.22-46.20

Student: Baba, it has been said: You should follow Brahma. So, which Brahma?

Baba: You have to *follow* Brahma in actions. And you have to obey my directions. Who is the one whose directions you have to obey? And who is His *media*? Prajapita Brahma is the *media* through whom it has been said that you have to *follow* Brahma in actions but you have to obey my directions. It means that you should not *follow* Me in actions. One main act of the *media* through whom I act is also mentioned as drinking poison. It has been depicted, it is famous. He drinks the poison of the entire world.

जिज्ञासुः तो ब्रह्मा कौन बाबा? जो दाढ़ी मूँछ वाला है वो, जो चला गया या...

बाबाः ब्रह्मा का अर्थ क्या है?

जिज्ञासुः बड़ी माँ।

बाबाः बड़ी मम्मा का मुख्य गुण क्या होता है?

जिज्ञासुः सहनशीलता।

बाबाः किसमें थी?

जिज्ञासुः दादा लेखराज।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

बाबाः कोई और आत्मा... जगदम्बा है सहनशीलता वाली? ओम राधे मम्मा है? लक्ष्मी है? (जिज्ञासु – नहीं।) तो फिर इतनी परेशानी क्यों होती है?

Student: So Baba, which Brahma? Is it the one with beard and moustache, the one who left or...
Baba: What is meant by Brahma?
Student: Senior mother.
Baba: What is the main virtue of the senior mother?
Student: Tolerance.
Baba: Who had that virtue?
Student: Dada Lekhraj.
Baba: Is there any other soul… Is Jagdamba the one with the power of tolerance? Is it Om Radhey Mamma? Is it Lakshmi? (Student: No.) Then why do you find it so difficult?

दूसरा जिज्ञासुः जिसके कर्मों का अनुसरण करेंगे, तो वो भी तो बुद्धि में रहेगा ना कि इसने ऐसा किया।
बाबाः उसके अन्दर सहनशीलता का जो कर्म किया है वो कृष्ण वाली आत्मा ने किया है या शिव ने किया है? किसने किया? अरे सहनशीलता का पार्ट बजाने का काम, सारे-सारे परिवार को बांध लेने का काम कृष्ण की आत्मा ने 63 जन्म क्यों नहीं कर लिया? इस अन्तिम जन्म में ही आ करके ही क्यों किया? क्या कारण? (जिज्ञासु – शिव प्रवेश।) शिव ने किया ना। (जिज्ञासु – किया।) हाँ। तो करनकरावनहार है कौन? शिव है। शिव ने ही ब्रह्मा का सहनशीलता का पार्ट बजाया। शिव ही बाप का पार्ट बजाता है। कितने मुँझाहट हैं इस बात में। किसको कर्मों में फालो करें? किसके डायरेक्शन को फालो करें? इतना लंबा समय हो गया एडवांस ज्ञान चलते-चलते, ये ही बात बुद्धि में नहीं बैठती।

Student: The one whom we follow in actions will also come to the mind that he did like this, will he not?
Baba: The action of tolerance which was performed through him, was it performed by the soul of Krishna or Shiva? Who performed it? *Arey,* why didn't the soul of Krishna perform the task of playing the *part* of tolerance, the task of uniting the entire family in the 63 births? Why did he perform it only in the last birth? What is the reason? (Student: The entrance of Shiva.) Shiva performed it, didn't He? (Student: He did.) Yes. So, who is *karankaraavanhaar*[7]? It is Shiva. It is Shiva who performed the *part* of tolerance through Brahma. Shiva Himself plays the *part* of the Father. There are so many confusions on this subject: Whom should we *follow* in actions? Whose directions should we *follow*? It has been such a long time since the advance knowledge began, yet this very topic does not sit in the intellect. … (to be continued.)

Extracts-Part-5

समयः 46.30-47.47

[7] The one who acts and makes others act.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

जिज्ञासुः शेर के ऊपर दुर्गा को बैठे हुए क्यों दिखाया है?
बाबाः हाँ। क्यों दिखाया गया? अरे, सवारी है ना। शेर की सवारी कर ली दुर्गा ने। शेर में दुर्गुण कौनसा होता है? शेर में कोई खराब गुण होता है? नहीं होता? कभी शेर के सामने जाना तो पता चलेगा। जाएगा? क्यों नहीं जाएगा? डर क्यों लगता है? क्यों नहीं जाएगा? अरे शेर के सामने क्यों नहीं जाएगा? (जिज्ञासु – जाउंगा ।) जाएंगे। फिर क्या करेगा वो? (जिज्ञासुः खा जायेगा।) तेरे को खा जाएगा। तो ऐसे ही बिना कोई गल्ती के खा जाएगा ये उसका दुर्गुण है या अच्छा गुण है? (जिज्ञासु – दुर्गुण।) दुर्गुण है। तो दुर्गा है दुर्गुणों को दूर करने वाली। पहले उस शेर के ही दुर्गुणों को दूर करती है। क्या? इसलिए शेर की सवारी दिखाते हैं।

Time: 46.30-47.47
Student: Why is Durga shown to be sitting on a lion?
Baba: Yes. Why is she shown [on a lion]? *Arey*, it is a vehicle, isn't it? Durga rode on a lion. What is the bad quality of a lion? Is there any bad quality in a lion? Doesn't it have any? You will know if you go in front of a lion any time. ☺ Will you go? Why will you not go? Why do you fear? Why will you not go? *Arey*, why will you not go in front of a lion? (Student: I will go.) You will go. Then what will it do? (Student: It will eat me.) It will eat you up. So, it will eat you simply without any mistake, is this its bad quality or a good quality? (Student: It is a bad quality.) It is a bad quality. So, Durga is the one who removes bad qualities. First she removes the bad qualities of that lion itself. What? This is why lion is shown to be her vehicle.

समयः 47.56-49.36
जिज्ञासुः बाबाजी, तुलसीदास लिखे हैं – जड़ चेतन का जो ग्रंथ है।...बड़ी कठिनाई से छूटती है जड़ चेतन का ग्रंथ।... गांठ।
बाबाः क्या है जड़-चेतन की गांठ? (जिज्ञासु ने कुछ कहा।) चेतन है शिव। चेतन है आत्मा और जड़ है पांच तत्व, जड़ है प्रकृति। अब दोनों अच्छी तरह से अगर मिलेंगे नहीं तो सृष्टि का कार्य होगा क्या? तब ही सृष्टि का कार्य होता है जब जड़ चेतन की ग्रंथी पड़े। अभी ग्रंथी ये पड़ गई। ऐसी ग्रंथी पड़ गई कि दुनिया में इस गांठ को कोई खोल ही नहीं सकता। वो भगवान स्वयं ही आता है। तो ये गांठ को सुलझाता है। जड़ अलग और चेतन अलग परमधाम में पहुँच जाता है। तो गांठ खुल जाती है या रह जाती है? खुल जाती है।

Time: 47.56-49.36
Student: Baba*ji*, Tulsidas has written: The knot of the non-living and the living. … It is solved with a great difficulty. … Knot.
Baba: What is the knot of the non-living and the living? (Student said something.) Shiva is the living one. The soul is a living one and the five elements are non-living. Nature is non-living. If both of them do not meet properly, then will the world be able to function? The world functions only when the knot of the non-living and the living is formed. Now the knot has formed. Such a knot has formed that nobody in this world can open this knot at all. That God comes Himself. Then, He opens this knot. The non-living and the living ones separate,

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

[the living one] reaches the Supreme Abode. So, does the knot open or does it remain intact? It opens.

समयः 50.16-53.12

जिज्ञासुः बाबा मुरली में बोले हैं जो कन्याएं हैं ना... तो जो बन्धन में हैं।

बाबाः कन्याएं बंधन में हैं?

जिज्ञासुः माँ-बाप के पास हैं, बन्धन में हैं ना।

बाबाः कन्याएं बंधन में हैं? कन्याओं के लिए तो मुरली में बोला है कि कन्याएं तो निर्बंधन होती हैं।

जिज्ञासुः नहीं बाबा बोले हैं...

बाबाः क्या बोले? बाबा कभी नहीं बोले कि कन्याएं बंधन में हैं।

जिज्ञासुः जो बाप के पास हैं जबरदस्ती न आएं।

बाबाः जो कन्याएं 18 साल की हो गई, बालिग हो गई, समझदार हो गई, वो कन्याएं निर्बंधन हैं कि बंधन में हैं? निर्बंधन हैं। गवर्मेन्ट का नियम कानून बना हुआ है कि कन्याओं को कोई बांध करके नहीं रख सकता।

Time: 50.16-53.12
Student: Baba has said in the murli that the virgins… those who are in bondage (*bandhan*).
Baba: Are the virgins in bondage?
Student: Those who are with their parents are in bondage, aren't they?
Baba: Are the virgins in bondage? It has been said for the virgins in the murlis that virgins are free.
Student: No, Baba has said...
Baba: What did He say? Baba has never said that virgins are in bondage.
Student: [Baba has said that] those who are with their parents should not come against their will.
Baba: Are those virgins, who have become 18 years old, those who have become mature, intelligent free or in bondage? They are free. There is a rule and law of the Government that nobody can keep the virgins in bondage.

जिज्ञासुः बाबा बोले बंधन से मुक्त होंगे एक दिन।

बाबाः अरे, बंधन है ही नहीं वो। उनको जब किसी छोकरे से प्यार हो जाता है तो बंधन में रहती हैं? भाग जाती हैं। बाप कुछ कर पाता है क्या? कुछ नहीं कर पाता। चाहे जहाँ कोर्ट में जा करके एग्रीमेंट लिख करके, चाहे जहाँ चली जाए। कोई कुछ नहीं कर सकता। ये कहो कि बाप की पहचान नहीं है। इसलिए बंधन में है। जब बाप की पहचान बुद्धि में बैठ जाती है कि अंत समय में यही एक सहारा रहेगा और बाकी सब सहारे मिट्टी में मिल जाने वाले हैं, तो बंधन में नहीं रह सकती कन्या। और ऐसी शिव-शक्तियाँ अभी निकलने वाली हैं। क्या? एक हिस्ट्री में ऐसा भी टाइम हुआ था जब राजाओं ने रानियों को छोड़ दिया था। परवाह नहीं की रानियों की, कन्याओं-माताओं की, जंगल में चले गए। अभी एकदम जस्ट उल्टा प्वाइंट होने वाला है। अभी कन्याएं माताएं निकलेंगी जो उन कंट्रोल में रखने वाले राजाओं की परवाह

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

नहीं करेंगी। ऐसी भी शिव-शक्तियां निकलेंगी। वो बंधन-बंधन नहीं चिल्लाएंगी। बंधन में भेड़-बकरी रहती है या शेरनी रहती है? भेड़-बकरियाँ बंधन में रहती हैं।

Student: Baba has said that they will become free from bondage one day.
Baba: *Arey*, they are not in bondage at all. When they start loving a boy, do they remain in bondage? They run away. Is the father able to do anything? He is not able to do anything. She can go to court, write an *agreement* and go anywhere. Nobody can do anything. Say that they (those who think they are in bondage) have not recognized the Father. That is why they are in bondage. When the recognition of the Father sits in the intellect that it is He who will be our only support in the end, all other supports are going to be destroyed, then the virgin cannot remain in bondage. And such *shivshaktis* are going to come now. What? There was also such a *time* in the history when the kings left the queens. They did not care for the queens, the virgins and mothers. They went to the jungles. Now the just the opposite thing is going to happen. Now such virgins and mothers will come who will not care for the kings who keep them under their control. Such *shivshaktis* will also come. They will not cry about bondage. Do sheep and goats remain under bondage or does a lioness remain under bondage? Sheep and goats remain under bondage.

समयः 55.24-57.07

जिज्ञासुः बाबा, एक चौपाई है - राम नाम की लूट है, लूट सके तो लूट। कल पछतायेगा, प्राण जायेंगे छूट। राम नाम की लूट है कि शिवबाबा की?

बाबाः भक्तिमार्ग में राम को और कृष्ण को भगवान मान लिया है या देवता मान लिया है? (जिज्ञासु – भगवान।) यही गल्ती है। इसलिए उन्होंने राम नाम कह दिया। वास्तव में राम है जिसमें सारी दुनिया रमण करती है, जिसकी याद में। कौन है वो प्रैक्टिकल में साकार रूप जिसकी याद में सारी दुनिया रमण करेगी कम या ज्यादा, लेकिन रमण करेगी? शिवबाबा। दो आत्माओं का कॉम्बिनेशन। शिव माने निराकार ज्योति बिन्दु और बाबा माने? साकार। राम वाली आत्मा। तो भक्तिमार्ग में कह दिया है। राम नाम की लूटि है, लूटि जाए सो लूटि। ये अंत काल की बात है। अंतकाल कब होता है? न सतयुग में, न त्रेता में, न द्वापर में, न कलियुग में। कब होता है? कलियुग के अंत और सतयुग के आदि में।

Time: 55.24-57.07
Student: Baba, there is a couplet: *Raam naam ki loot hai, loot sakey to loot. Kal pactaayegaa, praan jayenge choot* (There is the treasure of the name of Ram is open for all; derive the benefits if you can. [If you don't,] you will repent tomorrow when you lose your life) Is it the benefit of the name of Ram or of Shivbaba?
Baba: In the path of *bhakti* have they considered Ram and Krishna to be God or deities? (Student: God.) This is the very mistake. This is why they have mentioned the name of Ram. Actually Ram is the one in whom, in whose remembrance the entire world takes delight. Who is that corporeal form in practice in whose remembrance the entire world will take delight; more or less, but will definitely take delight? Shivbaba. The *combination* of two souls. Shiva means incorporeal, Point of light and what is meant by Baba? Corporeal, the soul of Ram. So, they have said in the path of *bhakti*: - *Raam naam ki looti hai, looti jaye to loot* (There is the treasure of the name of Ram; you can derive the benefits if you can). It is about the last

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

period. When is the last period? It is neither in the Golden Age, nor in the Silver Age; neither in the Copper Age nor in the Iron Age. When is it? In the end of the Iron Age and the beginning of the Golden Age.

समयः 57.14-58.13

जिज्ञासुः जनक की... कहाँ है?

बाबाः जनक माने क्या होता है? भक्तिमार्ग में ही पड़ गए पूरे? जनक माने क्या होता है? (जिज्ञासु – जानता है।) जानता है नहीं, जन्म देने वाले का नाम है जनक। जन। जन माने जन्म। क माना करने वाला। जन्म करने वाला। तो जन्म करने वाला कौन होता है? अरे? जन्म करने वाले का नाम क्या होता है? (जिज्ञासु – पिता।) पिता। तुम सब सीताएं हो। उन सीताओं को अपनी स्मृति रूपी जन्म देने वाला कौन है? जनक।

Time: 57.14-58.13
Student: Where is the … of Janak?
Baba: What is meant by Janak? Did you immerse in the path of *bhakti* completely? What is meant by Janak? (Student: *Jaanta hai*, i.e. one who knows.) It's not the one who knows; the one who gives birth is named Janak. *Jan. Jan* means birth. *Ka* means the doer. The one who gives birth. So, who gives birth? *Arey*? What is the name of the one who gives birth? (Student: Father.) Father. All of you are Sitas. Who gives the birth in the form of awareness [of the self] to those Sitas? Janak.

समयः 58.12-59.38

जिज्ञासुः बाबा, एक मुरली में बोला कि संगमयुग सवा सौ साल का ।

बाबाः सवा सौ साल? ये कौनसी मुरली तुमने उठा ली? कौनसे ब्रह्म ज्ञान में जाते रहे? अगला संगठन हो तो मुरली उठा के लाना। भरी सभा में झूठी बात मत बोला करो। सुना? नहीं बोलोगे ना। हाँ, जी।

Time: 58.12-59.38
Student: Baba, it has been said in a murli that the duration of the Confluence Age is one hundred and twenty five years.
Baba: One hundred and twenty five years? Which murli did you pick up? Which *Brahm gyaan* (supreme knowledge) did you obtain? Bring that murli when the next *sangathan* (gathering) is organized. Do not speak untruth in a packed gathering. Did you hear? You will not speak lies, will you? Yes.

मुरली में तो बोला है बहुत में बहुत करके संगमयुग को सौ साल दो। इससे ज्यादा नहीं। क्योंकि जितने भी धर्मपिताएं हुए हैं चाहे इब्राहिम, बुद्ध, क्राइस्ट, चाहे इस्लाम धर्म हो, चाहे बुद्ध धर्म हो, चाहे क्रिश्चियन धर्म हो, हर धर्म को फाउन्डेशन लगाने के काम में हर धर्मपिता

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

ने 100 वर्ष से ज्यादा का टाइम नहीं दिया है। भगवान भी आ करके कितना टाइम देते हैं? 100 वर्ष का टाइम। इससे ज्यादा नहीं।

It has been said in the murlis that give at the most 100 years to the Confluence Age. Not more than this because all the religious fathers, whether it was Abraham, Buddha, Christ, whether it is Islam, Buddhism, and Christianity; no religious father has taken more than 100 years to lay the *foundation* of any religion. How much *time* does God come and take, too? A *time* of 100 years. Not more than this. … (to be continued.)

Extracts-Part-6

समयः 59.47-01.06.30

जिज्ञासुः बाबा, इलाहाबाद जिले में दिनौच का ताल है। वहाँ पर वरूण मुनि, यम और इन्द्र, इन्होंने अश्वमेध यज्ञ रचा।

बाबाः कौन-कौन?

जिज्ञासुः वरूण मुनि, यम और इन्द्र।

बाबाः इन्द्र, वरूण और यमराज। इन्द्र माने स्वर्ग का राजा। कौन हुआ? विष्णु। वरुण - जल का देवता। ज्ञान जल का देवता। और तीसरा? यमराज। ब्राह्मणों की दुनिया में धर्मराज का पार्ट बजाने वाला कौन? ब्रह्मा की सोल। धर्म की धारणाएं सिखाने वाला कौन? जो वाणी चल रही है अभी गुल्जार दादी के द्वारा वो धारणा की वाणी है या ज्ञान की वाणी है? (सभी ने कहा – धारणा।) धारणाएं कौन सिखाता है भगवान या देवता? जो देवता होगा वो देवता की वाणी चलाएगा। जो भगवान होगा वो ज्ञान की वाणी चलाएगा। डाक्टर, डाक्टर बनाएगा। इंजीनियर, इंजीनियर बनाएगा। तो देवता कौन बनाएगा? जो खुद देवता हो वो ही देवता बनाएगा। तो वो है यमराज, धर्मराज। हाँ, अब बताओ तीनों के बारे में क्या?

जिज्ञासुः वहाँ से, उस यज्ञकुंड से वरुणा नदी निकली है। वरुणा नदी की उत्पत्ति वहाँ से हुई है। तो 125 कि.मी की दूरी तय करके फिर जाके जहाँ मिलती है गंगा से वो वाराणसी कहलाती है।

बाबाः ठीक है।

Time: 59.47-01.06.30
Student: Baba, there is a pond of Dinauch in the district Allahabad. Varun Muni, Yam and Indra organized the Ashwamedh *yagya*[8] there.
Baba: Who all?
Student: Sage Varun, Yam and Indra.
Baba: Indra, Varun and Yamraj. Indra means the king of heaven. Who is it? Vishnu. Varun [means] the deity of water, the deity of the water of knowledge. And the third one? Yamraj. Who plays the part of Dharmaraj in the world of Brahmins? The soul of Brahma. Who teaches the *dhaarnaa*[9] of dharma (religion)? Is the vani being narrated through Gulzar Dadi

---

[8] A Vedic horse-sacrifice.
[9] Beliefs and practices.

now a vani of *dharana*[10] or a vani of knowledge? Who teaches *dharana*? Is it God or a deity? The one who is deity will narrate the vani of deities. The one who is God will narrate the vani of knowledge. A doctor will make someone a doctor. An *engineer* will make someone an *engineer*. So, who will make you a deity? The one who is a deity himself will make you a deity. So, that is Yamraj, Dharmaraj. Yes, now say, what do you want to ask about the three?
Student: Then, river Varuna emerged from the *yagyakund*[11] there. The river Varuna originated from that place. It covers a distance of 125 KMs and the place where it meets the Ganges is called Varanasi.
Baba: Alright.

जिज्ञासुः और वहाँ पर जो पुल बना था...। तो वहाँ पुल जो है एक भैंसा आ करके गिरा देता था, ऐसा बताते हैं लोग।
बाबाः और धर्मराज का भैंसा भी तो होता है।
जिज्ञासुः तो फिर वहाँ लोगों को साक्षात्कार हुआ कि यहाँ पर 25 फीट दूरी पर ... 25 फीट की दूरी पर फिर से बनाया पुल तो अभी है स्थायी रूप में।
बाबाः देखा। तो फिर क्या हुआ? अब प्रश्न क्या है?
जिज्ञासुः वहाँ से वरुणा नदी निकलती है...
बाबाः वरुणा नदी जहाँ निकलती है और गंगा से जाकर मिलती है तो जहाँ गंगा के किनारे मिलती है जा करके वहाँ से वाराणसी शुरू होती है। वरुणा असी। वरुण माने वरुण नदी; वरुणा (वरुण) की पुत्री, वरुणा। और असी माने तलवार। माने गंगा नदी जब कानपुर, इलाहाबाद होते हुए आगे बढ़ती है तो जहाँ वरुणा नदी उससे मिलती है वहाँ से गंगा तलवार का आकार धारण कर लेती है। असी। असी माने तलवार। उसका नाम स्थान का पड़ गया वरुणारसी।

Student: And a bridge that was built there… That bridge there used to be destroyed by a buffalo. People say this.
Baba: There is a buffalo of Dharmaraj as well.
Student: So, then people had a vision that they should build the bridge 25 feet away. … They built it again 25 feet away, now that bridge is standing in a permanent way.
Baba: Look. So, then what happened? Now what is the question?
Student: The river Varuna that emerges from there…
Baba: The place where the river Varuna emerges and meets the river Ganges, the place on the banks of the river Ganges where it meets, [the city of] Varanasi starts from there. *Varuna asi*; *Varun* means the river Varuna, Varun’s daughter, Varuna. And *asi* means sword. It means that when the river Ganges moves ahead after passing through Kanpur, Allahabad, then the place where the river Varuna meets it, the Ganges takes the shape of a sword. *Asi. Asi* means sword. That place got the name Varunarasi (Varanasi).

जिज्ञासुः और बताते हैं कि गंगा नदी पहले वहाँ थी नहीं इलाहाबद में । पहले वरुणा नदीं ही थी, उसके बाद फिर आयी गंगा नदी।

[10] Putting into practice the divine virtues.
[11] Altar of the sacrificial fire.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

बाबाः हाँ, जी। इलाहाबाद माने अल्लाह का बाद। अल्लाह की नगरी। भगवान कहाँ रहता है? अल्लाह की नगरी में रहता है। ऐसी अल्लाह की नगरी जहाँ तीनों नदियाँ इकट्ठी होती हैं। कौन-कौनसी तीनों नदियाँ? गंगा, यमुना और सरस्वती। तीनों नदियाँ भी वहाँ इकट्ठी होती हैं तो संगम होता है। अभी ब्राह्मणों की दुनिया में, एडवांस पार्टी में तीनों नदियाँ अलग-अलग हुई पड़ी हैं या इकट्ठी हो गई हैं? अलग-अलग हुई पड़ी हैं। तो कौनसी नदी निकलनी है अभी जो तीनों को इकट्ठा करे, जो गंगा नदी तलवार का रूप धारण कर ले? वरुणा नदी से जब मिले। कौन? गंगा नदी। तो गंगा नदी तीखा रूप धारण कर लेगी। और उस स्थान का नाम पड़ता है काशी नगरी।

दूसरा जिज्ञासुः बाबा बेहद में वरुणा नदी कौन है?

बाबाः कितने महीने हो गए एडवांस में आए? (जिज्ञासु – तीन साल।) अरे कितने महीने हो गए? (जिज्ञासु – तीन साल।) तीन साल में तुमने नई मुरलियाँ पढ़ी ही नहीं, सुनी ही नहीं।

Student: And it is said that the river Ganges wasn't there at Allahabad in the past. It was only the river Varuna there. Then the river Ganges came later.

Baba: Yes. Allahabad means the abode of *Allah* (God). The city of *Allah*. Where does God reside? He resides in the city of *Allah*. Such a city of *Allah* where all the three rivers meet. Which three rivers? Ganga, Yamuna and Saraswati. When all the three rivers meet there, the confluence takes place. Now in the world of Brahmins, in the *advance party*, are all the three rivers separate or have they united? They are separate. So, which river has to emerge now, who unites all the three, so that the river Ganges takes on the form of a sword? When it meets the river Varuna - Who? The river Ganges – Then, the river Ganges will take on a sharp form. And that place is named as *Kashi nagari* (the city of Kashi).

Another student: Baba, who is the unlimited river Varuna?

Baba: For how many months have you been in the advance [knowledge]? (Student: Three years.) *Arey*, how many months? (Student: Three years.) You did not read, listen to the new murlis in three years at all.

जिज्ञासुः बाबा, जहाँ से निकली है वो नदी उसको कहते हैं दिनौच का ताल। वहाँ पे यज्ञकुंड है अभी भी।

बाबाः अरे, संस्कृत में नाम क्या है? वो तो विकृत नाम पता नहीं क्या बन गया। सीधी सी बात – गंगा, यमुना, सरस्वती, तीनों नदियाँ इलाहाबाद में जाकर मिलती हैं। और इलाहाबाद से ही वरुणा नदी की उत्पत्ति होती है। इलाहाबाद माने? एडवांस का इलाहाबाद कौनसा है? अल्लाह का बनाया हुआ, आबाद किया हुआ नगर। (जिज्ञासु – कम्पिल।) हाँ। तो वहाँ से ये चारों ही नदियों की उत्पत्ति होती है।

जिज्ञासुः इलाहाबाद में जो अक्षय वट है, उसकी शाखा..., नीचे से जड़ जो है...

बाबाः अक्षय वट कोई दूसरा नहीं होता है। ये सृष्टि रूपी वृक्ष ही अक्षय है जिसका कभी क्षय नहीं होता, नष्ट नहीं होता है।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Student: Baba, the place from where that river has emerged is called the pond of Dinauch. The *yagyakund* exists there even today.
Baba: *Arey,* what is the name in Sanskrit? That name has deformed. It is a simple topic: All the three rivers [i.e.] the Ganges, Yamuna and Saraswati meet at Allahabad. And it is from Allahabad only that the river Varuna emerges. What is meant by Allahabad? Which is Allahabad in the advance [party]? The city that has been established by Allah. (Student: Kampila.) Yes. So, all these four rivers originate from there.
Student: The *akshay vat* (the imperishable tree) in Allahabad, its branches… its roots from below…
Baba: The *akshay vat* is not something else. This world tree itself is imperishable (*akshay*) which does not perish (*kshay*), end.

समयः 01.06.39-01.10.12

जिज्ञासुः बाबा, द्वापर और कलियुग में रात दिन होने के कारण चन्द्रमाँ (होता है)।

बाबाः रात दिन होने के कारण द्वापर और कलियुग में चन्द्रमाँ (होता है)। हाँ। (जिज्ञासु ने कुछ कहा) सतयुग में?

जिज्ञासुः ये पृथ्वी के चक्कर लगाता है, उसका उपग्रह है।

बाबा: हाँ।

जिज्ञासु: पृथ्वी चक्र लगा रही है सूर्य का।

बाबाः ठीक है। और चन्द्रमाँ लगा रहा है पृथ्वी के।

जिज्ञासुः तो पृथ्वी उपग्रह हो हो गई सूरज का।

Time: 01.06.39-01.10.12
Student: Baba, in the Copper and Iron Ages because of night and day [there is] the Moon.
Baba: [There is] the Moon in the Copper and Iron Ages because of night and day. Yes. (Student said something.) In the Golden Age?
Student: It revolves around the Earth. It is its satellite.
Baba: Yes.
Student: The Earth is revolving around the Sun.
Baba: It is correct. And the Moon is revolving around the Earth.
Student: So, the Earth became the satellite of the Sun.

बाबाः पृथ्वी का उपग्रह चन्द्रमाँ। (किसीने कहा – सूर्य का चक्कर लगा रही है पृथ्वी।) वो तो सारे ही उपग्रह, जो ग्रह हैं, नौ ग्रह वो किसके चक्कर लगाते हैं? सूर्य के चक्र लगाते हैं। कोई एक पृथ्वी की बात नहीं है। सारी सृष्टि लीन हो जावेगी। उसको कहते हैं प्रलय। प्रकष्ठ रूपेण लीनम् भवति। प्रकष्ठ रूप से सारी दुनिया लीन हो जाएगी। तो सारी दुनिया लीन नहीं होती है। ये चैतन्य पृथ्वी की, चैतन्य सूर्य की, चैतन्य वृक्षपति की, चैतन्य शनिदेव की बात है। ये अपने-अपने स्वभाव-संस्कार को एक-दूसरे में मर्ज कर देते हैं। तो पृथ्वी के जो ओरिजिनल संस्कार हैं उन संस्कारों में चन्द्रमाँ अपने को मर्ज कर देगा। पृथ्वी के प्रभाव से प्रभावित हो जाता है। पृथ्वी की परछाया जब चन्द्रमाँ पर पड़ती है तो कौनसा ग्रहण होता है? चन्द्र ग्रहण हो जाता है। पृथ्वी माने कन्याएं माताएं। कन्याओं-माताओं के प्रभाव से प्रभावित कृष्ण वाली

सोल कब से हुई? अरे यज्ञ में कोई ऐसा टाइम हुआ जो ब्रह्मा वाली आत्मा प्रजापिता के प्रभाव से परे हो गई और कन्याओं-माताओं रूपी पृथ्वी के प्रभाव में आ गई? जब प्रजापिता चला गया तो किसके प्रभाव में आ गई? (जिज्ञासु ने कुछ कहा।) बस।

Baba: The Moon is a satellite of the Earth. (Someone said: The Earth is revolving around the Sun.) Around whom do all the satellites, the planets, the nine planets revolve? They revolve around the Sun. It is not about the Earth alone. The entire world will be submerged. That is called *pralay*. *Prakashth roopen leenam bhavati* [meaning] the entire world will be submerged in a greatest way. So, the entire world does not submerge. It is about the living Earth, the living Sun, the living *Vrikshpati* (Jupiter), the living *Shanidev* (Saturn). They merge their individual nature and *sanskars* in each other. So, the Moon will merge its *sanskars* in the *original sanskars* of the Earth. It becomes influenced by the Earth. Which eclipse is it called when the Earth's shadow falls on the Moon? It is lunar eclipse. The Earth means the virgins and mothers. From when did the soul of Krishna become influenced by the virgins and mothers? *Arey*, was there such time in the *yagya* when the soul of Brahma came out of the influence of Prajapita and came under the influence of the Earth like virgins and mothers? When Prajapita departed, under whose influence did he come? (Student said something.) That is all.

अभी भी, कन्याओं-माताओं के प्रभाव से प्रभावित होने के कारण कृष्ण बच्चे की आत्मा अंधेरे में चली जाती है। तो बाप का प्रभाव होना चाहिए या माँ का प्रभाव होना चाहिए? बाप का प्रभाव होना चाहिए। बाप के प्रभाव में आ जावेगी तो बुद्धि में से बात निकल जावेगी। क्या? गीता का भगवान मैं कृष्ण वाली आत्मा नहीं हूँ। गीता का साकार भगवान निराकार परमपिता परमात्मा शिव मुकर्रर रथ के द्वारा है। वो ही गीतापति भगवान है। मैं तो बच्चा हूँ। वो मेरा बाप है।

Even now, due to being influenced by the virgins and mothers, the soul of child Krishna goes in darkness. So, should there be the influence of the Father or the mother? There should be the influence of the Father. If it comes under the influence of the Father, then the topic will be removed from the intellect. What? I, the soul of Krishna am not the God of Gita. Corporeal God of Gita is the incorporeal Supreme Father Supreme Soul Shiva through His permanent chariot. He Himself is God, the husband of the Gita (*Gitapati Bhagwaan*). I am the child. He is my Father. (Concluded.)

……………………………………………………………………………………………
Note: The words in italics are Hindi words. Some words have been added in the brackets by the translator for better understanding of the translation.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info